

ग्रीन हाउस प्रभाव (Green House Effect)

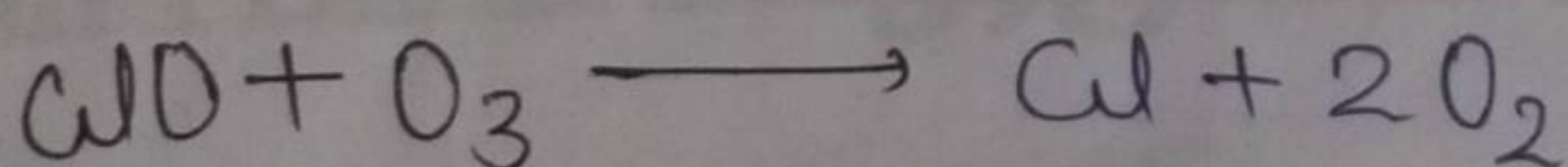
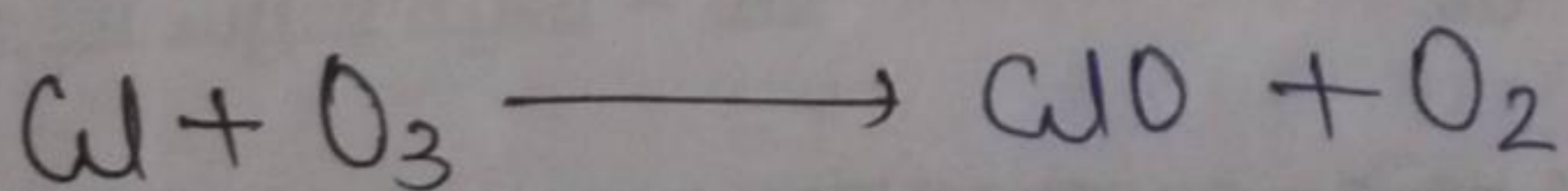
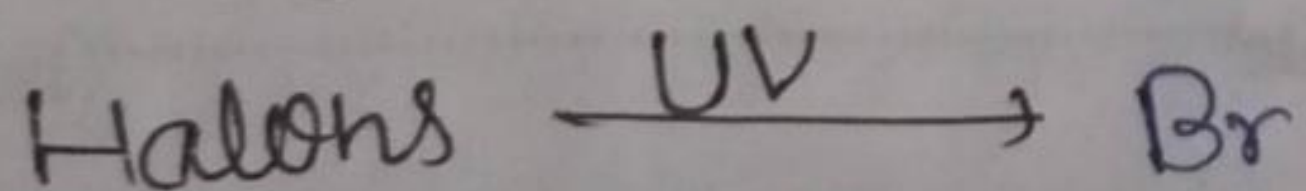
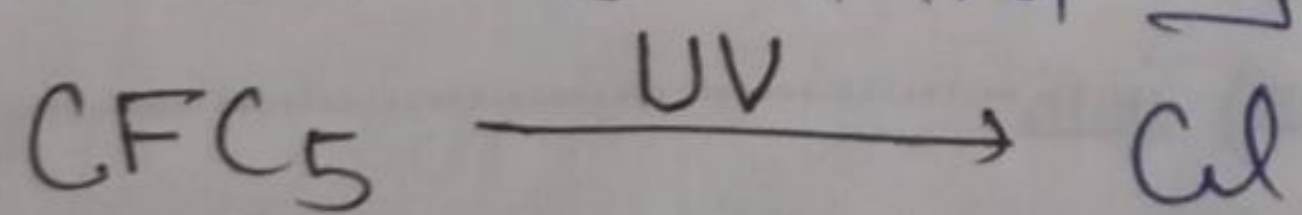
ग्रीन हाउस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा किसी ग्रह के वातावरण में मौजूद कुछ जैसे वातावरण के तापमान को अपेक्षाकृत अधिक कर देती है। ग्रीन हाउस गैसों में कार्बन डाई ऑक्साइड (CO₂), जल वाष्प, मीथेन (CH₄), N₂O आदि शामिल हैं।

ओजोन छिद्र या ओजोन रिक्तीकरण :-
(Ozone Hole or Ozone Depletion) :-

ओजोन परत के किसी स्थान पर पतले हो जाने को ही ओजोन छिद्र या ओजोन रिक्तीकरण कहते हैं।

200 DU से अधिक मोटी परत सामान्य परत कहलाती है तथा इससे कम मोटाई की परत को ओजोन छिद्र की ओणी में रखते हैं। कई प्रदूषक जैसे समताप मण्डल (Stratosphere) में पहुँचकर ओजोन (O₃) परत को नष्ट करते हैं।

क्लोरो-फ्लोरो कार्बन (CFC₅), मीथेन (CH₄) तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x) ह्रातक जैसे हैं। इनमें से CFC₅ सबसे अधिक ह्रातक गैस है। यह ओजोन से निम्न प्रकार से क्रिया करता है-



(8) ग्रीन हाउस प्रभाव (Green House Effect)

ग्रीन हाउस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा किसी ग्रह के वातावरण में मौजूद कुछ जैसे वातावरण के तापमान को अपेक्षाकृत अधिक कर देती है। ग्रीन हाउस गैसों में कार्बन डाई ऑक्साइड (CO₂) जल वाष्प, मीथेन (CH₄), N₂O, CFCs, HCF आदि शामिल हैं।

ओजोन छिद्र या ओजोन रिक्तीकरण :-
(Ozone Hole or Ozone Depletion) :-

ओजोन परत के किसी स्थान पर पतले हो जाने को ही ओजोन छिद्र या ओजोन रिक्तीकरण कहते हैं।

200 DU से अधिक मोटी परत सामान्य परत कहलाती है तथा इससे कम मोटाई की परत को ओजोन छिद्र की ओणी में रखते हैं। कई प्रदूषक जैसे समताप मण्डल (Stratosphere) में पहुँचकर ओजोन (O₃) परत को नष्ट करते हैं।

क्लोरो-फ्लोरो कार्बन (CFCs), मीथेन (CH₄) तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x) हातक गैसें हैं। इनमें से CFCs सबसे अधिक हातक गैस है। यह ओजोन से निम्न प्रकार से किया करता है-

